

पितृभ्यः प्रतिनमस्कारेभ्यो वो ऽपि नमः ÇĀṆKH. Çr. 6, 2, 2.

प्रतिनव (1. प्र° + नव) adj. *neu, frisch* ÇĀṬĪDR. im ÇKDr. °ञ्वापु-
ष्य MBh. 37.

प्रतिनाग (1. प्र° + 1. नाग) m. *Gegenelephant, ein feindlich gegenüber-
stehender Elephant* MBh. 8, 498. — Vgl. प्रतिकुञ्जर u. s. w.

प्रतिनाडी (1. प्र° + ना°) f. *Zweitgader* Ind. St. 2, 172.

प्रतिनाद (1. प्र° + नाद) m. *Widerhall* H. 65. Davon °नादेत *wie-
derhallend* Wilson.

प्रतिनामन् (1. प्र° + ना°) adj. f. °नाम्नी *namensverwandt* ÇĀT. Ba. 2, 1, 2, 11.

प्रतिनायक (1. प्र° + ना°) m. *Gegenheld, der Gegner eines Helden in
einem Stücke*: धीरोद्धतः पापकारी व्यसनी प्रतिनायकः SĀH. D. 159. 32, 10.

प्रतिनाह m. s. प्रती° und कार्पा°.

प्रतिनिधि (von 1. धा mit प्रतिनि) m. *Substitution; Substitut; Eben-
bild* AK. 2, 10, 36. H. 1463. HALĀJ. 1, 130. KĪTJ. Çr. 1, 4, 2. 15. 22, 2, 26.
25, 5, 4. ĀÇV. Çr. 3, 2. शिष्टभावे प्रतिनिधिः 10. ÇĀṆKH. Çr. 3, 19, 2. 20,
10. घ्राय विना यथा तैलं सद्भिः प्रतिनिधिः कृतः VĀDDHA-BĀHASP. bei KULL.
zu M. 9, 181. पुत्र° M. 9, 180. MBh. 13, 49 in der Unterschr. विधेः प्र-
तिनिधिः कृतः (st. dessen विधिप्रतिनिधीकृतः MBh. 12, 6055) M. 11, 29.
MBh. 14, 58. 3, 1408. यज्ञ°, दान°, व्रत° 12884. fg. सोमाभावे भवेत्पूति-
विधिः प्रतिनिधावुत Mīm. in TBa. Comm. 1, 181. सुतां वदीयां सुरभेः कृ-
त्वा प्रतिनिधिम् RAGH. 1, 81. चमूपायूषाप्रतिनिधीकृतः 4, 54. रघु° *das
Ebenbild des Raghū* S. 63. 9, 39. विप्रकेण मदनस्य चारुणा सो ऽभवत्प्र-
तिनिधिर्न कर्मणा 11, 13. कात्तिः काञ्चनचम्पकप्रतिनिधिः SĀH. D. 41, 14.
P. 1, 4, 92. 2, 3, 11. Vop. 5, 21. AK. 3, 4, 23 (30), 6. (तथा) स्ववस्त्रभर-
णैरलंकृत्य स्वप्रतिनिधित्वेन प्रेषिताम् *an ihrer Statt, als ihr Ebenbild*
SĀJ. zu RV. 1, 125.

प्रतिनिन्द (1. प्र + नि°) m. *Widerhall* Wils.

प्रतिनिपात (von 1. पत् mit प्रतिनि) m. *das Niederfallen*: गदायाः
MBh. 7, 8594.

प्रतिनियम (1. प्र° + नि°) m. *allgemeine Geltung, allgemeine Regel*
VJUTP. 159. जननमरणकरणानां प्रतिनियमात् SĀṆKHJAK. 18. अतश्च लौकिक-
शोकरुर्षादिकारणेष्वेव लौकिकशोकरुर्षादयो ज्ञायन्त इति लोक एव प्र-
तिनियमः SĀH. D. 25, 13. fg.

प्रतिनिर्देश (von 1. दिप्र mit प्रतिनिस्) m. *das Zurückweisen auf* (gen.)
ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up. S. 231.

प्रतिनिर्देशक (wie eben) adj. *zurückweisend auf*, am Ende eines comp.
Schol. zu KĪTJ. Çr. 106, 20.

प्रतिनिर्यातन (vom caus. von यत् mit प्रतिनिस्) n. *das Wiedererstaten,
Zurückgeben*: दत्तस्य P. 2, 3, 11. Sch. *das Vergelten*: कृते प्रतिकृतं प्राप्तिः
प्रतिनिर्यातनं स्मृतम् HALĀJ. 4, 80.

प्रतिनिवर्तन (von वर्त् mit प्रतिनि) n. *das Zurückkehren, Rückkunft*: पु-
नः° R. 5, 1, 81.

प्रतिनिवारण (von वृ mit प्रतिनि) n. *das Abwehren*: दुःखानाम्
BṚH. P. 5, 14, 84. 25.

प्रतिनिवासन (von वस् वस्ते mit प्रतिनि n. *ein best. Kleidungsstück*
bei den Buddhisten VJUTP. 207.

प्रतिनिशम् (von 1. प्र° + निशा) adv. *allnächtlich* KATHĀS. 3, 69. 30, 19.

प्रतिनिसर्ग (von सर्ज mit प्रतिनि) m. *das Aufgeben* VJUTP. 178.

प्रतिनोद (von नुद mit प्रति) m. *Zurückstossung, Zurückweisung* PAṆ-
ĀV. Ba. 23, 6, 6. ऋ° ebend. und 16, 6, 12.

प्रतिन्यायैम् (von 1. प्र° + न्याय) adv. *in umgekehrter Ordnung* ÇĀT.
Ba. 14, 7, 1, 17. 40. 41.

प्रतिन्यूङ् (1. प्र° + न्यू°) m. *Gegen-Njūṅkha* (s. u. d. W.) ÇĀṆKH.
Çr. 10, 5, 25. fg.

प्रतिप m. N. pr. eines Fürsten ÇĀBDAR. im ÇKDr. Vgl. die richtigere
Form प्रतीप.

प्रतिपक्ष (1. प्र° + पक्ष) m. 1) *die entgegengesetzte Seite, Opposition.
die feindliche Partei; Gegner, Widersacher* H. 728. HALĀJ. 2, 300. इति
पूर्वोक्तदोषप्रतिपक्षे गुणा अनेन श्लेकेनोक्ताः 80 v. a. *im Gegensatz zu den
vorher erwähnten Mängeln* KULL. zu M. 7, 31. पक्षप्रतिपक्षोपन्यासेन
ÇĀṆK. zu KHĀND. Up. S. 71. °प्रहं चक्रुः MBh. 8, 4409. मकाराजेन प्रतिप-
क्षमाचरति (v. l. für प्रतिपक्षभावमाचरति) PRAB. 34, 14. कामक्रोधादिप्र-
तिपक्षेषु (v. l. °क्रोधादिषु प्रति°) कुत्रेयमुदेष्यति 31, 12. अन्याऽन्यं प्रति-
पक्षसंरुतिमिमां लोकस्थितिं बोधयन् MĀKĀH. 178, 6. प्रतिपक्षेणापि पतिं
सेवति भर्तृवत्सलास्तन्यः 80 v. a. *Nebenbuhlerinnen* MĀLAV. 94. 95. KA-
THĀS. 47, 54. °भूता असुराः ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up. S. 80. 295. BṚH. P.
5, 1, 29. PAṆĀT. ed. orn. 56, 10. KULL. zu M. 7, 67. शास्त्रानुष्ठानप्रतिप-
क्षव्यसन 53. 12, 28. JOGAS. 2, 38. निष्प्रतिपक्षत्व KATHĀS. 27, 139. Vgl. नि-
ष्प्रतिपक्ष, सत्प्रतिपक्ष. — 2) N. pr. eines Fürsten (= प्रतिपक्ष anderer
Aut.) VĀJU-P. in VP. 412, N. 3. — Vgl. प्रातिपक्ष्य.

प्रतिपक्षता (von प्रतिपक्ष) f. *Opposition, Feindschaft*: यदि कन्यापत्नः
प्रतिपक्षतां याति *sich feindselig verhält, sich widersetzt* KULL. zu M. 3.
38. in comp. mit der Ergänzung: निःश्रेयस° BṚH. P. 5, 8, 24.

प्रतिपक्षत्व (wie eben) n. dass. ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up. S. 294. इतरपु-
ण्य° KULL. zu M. 2, 57.

प्रतिपक्षित (wie eben) adj. *einen Widerspruch enthaltend* BṚH. 70.

प्रतिपक्षित् (wie eben) m. *Gegner, Widersacher* ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up.
S. 318.

प्रतिपक्ष m. 1) oxyt. (von 1. पण् mit प्रति) *Tausch*: पुनं नो अस्तु प्रप-
णो विप्रकृत्य प्रतिपक्षो फलिनं मा कृणोत AV. 3, 15, 4. — 2) (1. प्र° +
पण) *Gegensatz im Spiel*: तस्योद्वेगः पणस्य मे । दमयन्तीमिदानीं त्वं
यूते प्रतिपक्षं कुरु ॥ SOM. NALA 66. Vgl. प्रतिपण.

प्रतिपक्षर् (von 1. पद् mit पति) nom. sg. *der Etwas annimmt, be-
hauptet*: इत्येवं प्रतिपक्षः ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up. S. 9. तस्य मम देवता-
विपरीतप्रतिपक्षमूर्धानं विपातयतु 115.

प्रतिपक्षव्य (wie eben) adj. 1) *zu erlangen, zu empfangen* MBh. 2.
2503. 13, 3673. KULL. zu M. 6, 79. — 2) *anzunehmen, zu statuieren* ÇĀṆK.
zu BṚH. Ār. Up. S. 315. — 3) *zu geben*: उत्तरे प्रतिपक्षव्ये *wenn es gilt
eine Antwort zu geben* R. GON. 1, 23, 15. — 4) *anzufangen, zu thun; zu
verfahren*: अत्र पक्षप्रतिपक्षव्यं तन्मे ब्रूहि MBh. 2, 1420. 12, 10700. R. 5,
57, 15. MĀKĀ. P. 99, 19. त्वयापि प्रतिपक्षव्यं तथैव MBh. 5, 4154. 12, 836.
PAṆĀT. 128, 3. DAÇAK. in BṚH. Chr. 195, 8.

प्रतिपत्ति (wie eben) f. 1) *Erlangung, Gewinnung*: = संप्राप्ति MD. I.
210. fg. = प्राप्ति TĀIK. 3, 3, 166. H. an. 4, 117. विद्या शस्त्रस्य शास्त्रस्य
दे विद्ये प्रतिपत्तये Spr. 2801. विद्या° ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up. S. 2. त्व-